Simla Chandigarh Diocese
Bishop's House, P.O. Box No: 709, Sector 19-A Chandigarh - 160 019, INDIA.

† Ignatius L. Mascarenhas
Bishop of Simla-Chandigarh

TEL: 0172-2775777, 2773777
FAX: 0172-2781630
EMAIL: bpignatius@gmail.com

Ref. DSC/Cir. 08/2021

26.11.2021

आगमन काल पर धर्माध्यक्ष का पत्र---दिसम्बर 2021

सभी विश्वासीजन, धार्मिक भाई बहन एवं शिमला चण्डीगढ़ धर्मप्रांत के पुरोहितगण

ख्रीस्त में प्यारे भाईयों एवं बहनों,

28 नवम्बर को आगमन काल के प्रथम रविवार के साथ हम एक नये पुजन विधी साल की शुरुआत कर रहे हैं। आगमन काल 2021 का संदेश है: *ख्याल रखें, जागते रहें, सतर्क रहें और सुनते रहें।*

आपको याद होगा, संत पिता फ्रांसिस ने 8 दिसम्बर 2020, धन्य कुँवारी मरियम के निष्कलंक गर्भागमन के शुभ दिन से 8 दिसम्बर 2021 तक "संत यूसुफ का साल" घोषित किया था। हम 8 दिसम्बर को संत यूसुफ साल की समाप्ती करेंगे। संत पिता फ्रांसिस अपने प्रपत्र,"एक पिता के हृदय से" में व्यक्त करते हैं कि, संत यूसुफ एक प्यारे पिता, संवेदनशील और प्यार करने वाले पिता, एक आज्ञाकारी पिता और स्वीकार करने वाले पिता हैं: एक पिता जो रचनात्मक रूप से साहसी, एक कामकाजी पिता हैऔर जिसकी छत्रछाया बनी रहती है। वह एक अनुकरणीय व्यक्ति थे विशेष रूप से कठिनाइयों और दुःख के समय में। असाधारण गुणों में से एक जिसके द्वारा उनमें ईश्वर के प्रति आज्ञाकारिता दिखती है वह है: संत यूसुफ ईश्वर की आवाज के प्रति चौकस, सुनने वाले और आज्ञाकारी थे।

- उन्होंने दुविधा के क्षणों में स्वर्गदूत की आवाज को सुनी, और आज्ञाकारी बन कर मरियम को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। (मत्ती 1:20-24)
- उन्होने मुसीबत के समय में स्वर्गदूत की आवाज को सुनी, और आज्ञाकारी बन कर माँ और बच्चे को मिस्र ले गये। (मत्ती 2:13-15)
- संदेह के क्षणों में भी उन्होने स्वर्गदूत की आवाज सुनी, और आज्ञाकारी बन कर पवित्र परिवार को नाजरेत में बसाया।
- संत यूसुफ अपनी व्यक्तिगत रुची और अपनी पसंद के सुखसुविधाओं को छोड़ परमेश्वर को ज्यादा महत्व देते थे। पवित्रता का मतलब है, परमेश्वर की आज्ञा पूरी करना है, जब और जैसे वह चाहता है। यूसुफ चौकस, जाग्रत, सुनने वाला और सतर्क था।

उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणा का श्रोत बने ताकि जीवन में आने वाली किसी भी घटना का सामना करे और अपने परिवारों की देखभाल करने और दूसरों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध बनें।

आगमन काल के पाठ हमारे सामने पाँच शब्दों को रखते हैं: निगरानी रखो, जागते रहो, सतर्क रहो और सुनते रहो। यिरमियाह नबी कहते हैं,"वह शाम को या आधी रात को या सुबह को आ सकता है...लेकिन आप लोग अपनी आशा को बनाये रखो": क्योंकि "देखो, दिन आ रहे हैं ... जब मैं ईश्वर, इस्राएल तथा यूदा के घराने के प्रति अपनी प्रतिज्ञा पूरी करूँगा" (यिरमियाह33:14)। हमारी यह प्रवृति है कि कई बार हम लक्ष्य से भटक जाते हैं तथा निराशावाद के शिकार हो जाते हैं। यिरमियाहने, एक भविष्यवक्ता के रूप में अपने जीवन में कई कठिनाइयों से गुज़रते हुए भी कभी भी ईश्वर में आशा नहीं खोई और अपने लोगों के लिए आशा की किरण बना रहा, क्या हम थोड़ा यिरमियाह की तरह बन सकते हैं?

संत पिता फ्रांसिस ने रोम में अक्टूबर 2021 से 2023 तक एक सिनड आरम्भ किया है जिसका विषय वस्तु है, एक सिनड कलीसिया के लिए: साहचर्य, सहभागिता और मिशन। उद्घाटन के संदेश में संत पिता, हमें एक चर्च के रूप में इस सिनड में शामिल होने के लिए तथा एक सुनने वाली कलीसिया बनने एवं अपनी दिनचर्या से बाहर निकलते हुए और रुक कर दुसरों को सुनने के लिए आमंत्रित करते हैं। सिनड की कलीसिया एक आशावादी समुदाय है, जो अभिलाषा पूर्ण है तथा इंतजार करती है: वह सावधान, सतर्क, आशावान, प्रार्थना करने वाली और समय तथा स्थानों के संकेतों को पहचानना जानती है।

सिनड की कलीसिया हमेशा आगे बढती रहती है, और सफर के हर एक कदम पर वह ईश्वर की आत्मा की प्रेरणा द्वारा, जो देखती है उसे ग्रहण करती है तथा जो सुनती है उसे समझती है। हर व्यक्ति को अपने आप से यह प्रश्न करना चाहिए, कि परमेश्वर आज मुझसे क्या कह रहा है और परमेश्वर की आत्मा आज हमसे, एक सामुदायिक कलीसिया से क्या कह रही है? जो सतर्क हैं,खुद पर निगरानी रखतेऔर प्रार्थना में लगे रहते हैं, उनसे प्रभु येसु कहते हैं,"उठ कर खड़े हो जाओ और सिर ऊपर उठाओ, क्योंकि तुम्हारी मुक्ति निकट है"(सन्त लूकस 21:28)। हम प्रभु येसु से मिलने के लिए अपने आप को आंतरिक रूप से तैयार करें। सचमुच, वे लोग धन्य हैं, जो सतर्क्ता से, ध्यानपूर्वक और प्रार्थनापूर्वक जीवन की यात्रा करते हैं।

20 अक्टूबर को संत एन हाई स्कूल, चण्ड़ीगढ़ में हम अपने धर्मप्रान्त के सिनड की शुरुआत किये जिसमें हर वर्ग के लोग, लोकधर्मी, नौजवान, धर्मप्रचारक, धार्मिक लोग तथा पुरोहित लोग सहभागी हुए। और इसी प्रक्रिया के तहत धर्मप्रांत के पाँच डिनरी में भी सिनड आयोजित हुआ। इन सभी डिनरी सभाओं की रिपोर्ट धर्मप्रांन्त कोर कमेटी को सौंप दी गई है, तथा कोर कमेटी 24 और 25 नवम्बर के बैठक में इन सामान्य रिपोर्टों और निष्कर्षों को समेटने का कार्य किया। कोर कमेटी ने इन निष्कर्षों को रोम द्वारा दिये प्रारंभिक दस्तावेज़ में निर्देशित किये गये 10 विषयों के आधार पर प्रश्नों को सारांशित और तैयार किया है। 10 विषयों पर आधारीत प्रश्नावली आप सभी को हिन्दी, अंग्रेजी और पंजाबी तीनों भाषाओं में भेजी जायेगी। आप इन पर सोच विचार करें और जब आप अपने लघु ख्रीस्तीय समुदाय में एकत्र होंगे तो पवित्र आत्मा की प्रेरणा से अपने अनुभव, विचार और सुझाव को ईमानदारी और खुलेदिल से एक दूसरे के साथ सांझा करे।

सिनड प्रक्रिया के कार्यक्रम और तारिख की सुची भी संलग्न है। कृपया सिनड प्रक्रिया में बोलने से ज्यादा आप सुनने को महत्व दें।

आप सभी को बड़ा दिन और नये साल 2022 की शुभ कामनायें।

आगमन के पहले या दूसरे रविवार को सभी गिरजाघरों में धर्माध्यक्ष के इस पत्र को पढ़ा जाना है या इसको पंजाबी या हिंदी में कलीसिया को समझाना है।

येसु में ईमानदारी सेवक

+ इग्नेशियस मस्करीनहस
शिमला–चण्डिगढ़ धर्माध्यक्ष

Ignatius L. Mascarenhas
Bishop of Simla-Chandigarh